RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 201
दि. 22.11.2025,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

विश्व के मुख्य न्यायाधीशों का सम्मेलन: सीएम योगी बोले- न्याय नागरिक की सुरक्षा व उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए

(जीएनएस)।

लखनऊ , राजधानी में विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। आगे पढ़ें शुक्रवार को विश्व के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरूआत में बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से लोगों का मन मोह लिया।

सीएम योगी आदित्यनाथ आज लखनऊ में आयोजित विश्व के माननीय मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि न्याय न केवल समता का, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए।

इस मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत हजारों वर्षों से दुनिया को एक परिवार मानता रहा है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि दुनिया की वास्तविक समस्या एक-दूसरे के साथ डायलॉग को बाधित करना है। यह सम्मेलन एक-दूसरे के साथ डायलॉग का साधन है। कुछ समय पहले यूएन ने दुनिया के सामने 16 गोल रखे थे। उसमें शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता हड़पने की होड़

उन्होंने कहा कि शिक्षा में इस बात का ध्यान रखना होगा कि बच्चे बस्ते के बोझ से बोझिल न हों। दुनिया में जहां अशांति और अराजकता है। जहां वर्चस्व को लेकर एक-दूसरे की संप्रभुता को हड़पने की होड़ हो, वहां पर शिक्षा, विकास, स्वास्थ्य की बात अपने आप में एक बेमानी सी दिखती है। इसके लेकर हम सभी को यह सोचना चाहिए कि किस स्तर तक की व्यवस्था किए जाने की आवश्यकता है। हम भी उसमें सहभागी बन सकते हैं।

सीएम ने आगे कहा कि हम अक्सर इस बात को देखते हैं कि जलवायु परिवर्तन और उससे उत्पन्न होने वाले संकट भी हमारे सामने एक नई चुनौती हैं। साइबर क्राइम, डाटा चोरी जैसी समस्या भी हमारे सामने खड़ी है। ऐसी स्थिति में न्याय, नैतिकता और अतंरराष्ट्रीय कानून, विश्व शांति और मानव सभ्यता के लिए एक बड़ी लकीर खींचने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर मुखर होकर बोलना चाहिए

उन्होंने कहा कि यूएन ने 80 वर्ष पहले कहा था कि दुनिया को अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और जवाबदेह वैश्विक प्रणाली की आवश्यकता है। इस पर आज सोचने की जरूरत है। साइबर क्राइम, अच्छे स्वास्थ्य और वैश्विक आतंकवाद जैसे मुद्दों पर भी मुखर होकर यूएन जैसे प्लेटफार्म का उपयोग करना चाहिए। इसके लिए भारत की उस प्राचीन व्यवस्था पर जरूर ध्यान देना चाहिए, जिस पर हमने पांच अवयव पृथ्वी, जल, आकाश, अग्नि, वायु की उपासना का आधार मान करके इनकी सुरक्षा, सरंक्षण को सदैव प्राथमिकता दी।

न्याय मानवता की समस्या के समाधान का रास्ता निकाले

अपने संबोधन में सीएम ने कहा कि आज जब दुनियाभर के न्यायविद एक जगह एकत्र हुए हैं, तो न्याय मानवता की समस्या के समाधान का रास्ता कैसे निकाल सकता है, इस कांफ्रेंस के माध्यम से दुनियाभर में यह संदेश देने की आवश्यकता है। न्याय न केवल समता का बल्कि प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा, स्वावलंबन और उनके उन्नत भविष्य का आधार बनना चाहिए।

भारत की राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति निलयम, सिकंदराबाद में भारतीय कला महोत्सव के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया

यह महोत्सव 22 से 30 नवंबर तक जनता के लिए खुला रहेगा

(जीएनएस)।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (21 नवंबर, 2025) को सिकंदराबाद स्थित राष्ट्रपति निलयम में भारतीय कला महोत्सव के दूसरे संस्करण का उद्घाटन किया। नौ दिनों तक चलने वाले इस महोत्सव का आयोजन राष्ट्रपति निलयम द्वारा संस्कृति मंत्रालय, वस्त्र मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय के सहयोग से किया जा रहा है। इस महोत्सव का मकसद गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव की समृद्ध एवं विविध सांस्कृतिक विरासत को लोगों के सामने प्रस्तुत करना है।

उद्घाटन समारोह में राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय कला महोत्सव के पहले संस्करण में लोगों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से रूबरू कराया गया था। इस बार, हमें पश्चिमी भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखने और समझने का मौका मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस महोत्सव के दौरान, आगंतुक गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दमन और दीव, तथा दादरा और नगर हवेली के हस्तशिल्प, नृत्य, संगीत, साहित्य और व्यंजनों के जरिए भारत के पश्चिमी क्षेत्रों की लोक संस्कृति की झलक देख सकेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार लोगों, खासकर युवाओं को हमारी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय कला महोत्सव जैसे आयोजन विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को एक-दूसरे को समझने में मदद करते हैं और यह समझ हमारे नजरिए को और व्यापक बनाती है। इसके अलावा, ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान बढ़ाते हैं और हमें इसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित भी करते हैं।

वडनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से 22 नवंबर को ताना-रीरी महोत्सव का शुभारंभ

दो दिवसीय महोत्सव में शाम को सुप्रसिद्ध कलाकार शास्त्रीय गायन, वादन एवं लोक संगीत के कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे

गांधीनगर, 21 सितंबर : मेहसाणा जिले के वडनगर में हर वर्ष ताना-रीरी महोत्सव उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। इस वर्ष इस महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से 22 नवंबर को कराया जाएगा। इस वर्ष सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका सुश्री कलापिनी कोमकली को ताना-रीरी संगीत सम्मान अवॉर्ड प्रदान किया जाएगा। 22 व 23 नवंबर को आयोजित इस दो दिवसीय महोत्सव में शाम को शास्त्रीय गायन, वादन तथा लोक संगीत के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के दूसरे दिन यानी 23 नवंबर को गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण तथा सड़क परिवहन राज्य मंत्री श्री प्रवीण माली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

वडनगर की ऐतिहासिक संगीत परंपरा को जीवंत रखने के लिए वर्ष 2003 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री तथा देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ताना-रीरी महोत्सव तथा 2010 में ताना-रीरी संगीत सम्मान अवॉर्ड की शुरूआत कराई गई थी। राज्य के खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ विभाग अधीनस्थ संगीत नाटक अकादमी द्वारा संगीत साम्राज्ञी ताना-रीरी की स्मृति में प्रति वर्ष इस महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

संगीत समारोह

इस दो दिवसीय महोत्सव में पहले दिन शाम को 6.30 बजे सुश्री कलापिनी कोमकली द्वारा शास्त्रीय गायन, श्री निलाद्री कुमार द्वारा शास्त्रीय वादन तथा सुश्री ईशानी दवे द्वारा लोक संगीत की प्रसुत्ति की जाएगी। दूसरे दिन डॉ. सुभद्रा देसाई द्वारा शास्त्रीय गायन, श्री निनद अधिकारी व उनकी टीम द्वारा शास्त्रीय गायन तथा श्री पार्थ ओझा व उनकी टीम द्वारा लोक संगीत की प्रस्तुत की जाएगी।

गुजरात के संगीत इतिहास में अमर नाम 'ताना-रीरी'

भक्त कवि नरसिंह मेहता की दोहित्री शर्मिष्ठा की सुपुत्रियों ताना एवं रीरी ने संगीत के प्रति अपने समर्पण से गुजरात के संगीत इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया है। संगीत सम्राट तानसेन ने जब दीपक राग छेड़ा, तब उनके शरीर में दाह उत्पन्न हुआ था, जिसे ताना-रीरी ने मल्हार राग गाकर शांत किया था। उनकी कला के सम्मान के संरक्षण के लिए दोनों बहनों ने आत्मबलिदान दिया था।

संगीत की इन कलाधारिणी बहनों के सम्मान में वडनगर के ताना-रीरी समाधि स्थल पर वर्ष 2003 से हर वर्ष ताना-रीरी शास्त्रीय संगीत महोत्सव आयोजित होता है।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन 22-23 नवंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश का दौरा करेंगे

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी.राधाकृष्णन 22-23 नवंबर, 2025 को आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति 22 नवंबर, 2025 को श्री सत्य साईं उच्च शिक्षा संस्थान, प्रशांति निलयम, पुट्टपर्थी के 44वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। उपराष्ट्रपति 23 नवंबर, 2025 को श्री सत्य साईं हिल व्यू स्टेडियम, पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के भव्य शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेंगे। इसके बाद, उपराष्ट्रपति पलासमुद्रम में राष्ट्रीय सीमा शुल्क, अप्रत्यक्ष कर एवं नारकोटिक्स अकादमी (एनएसीआईएन) के नए परिसर का भी दौरा करेंगे और विशेष फाउंडेशन कोर्स में भाग ले रहे अखिल भारतीय सेवाओं और केंद्रीय सिविल सेवाओं के अधिकारी प्रशिक्षुओं को संबोधित करेंगे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने देश के सभी श्रमिकों को नई श्रम संहिताओं के देश भर में लागू किए जाने की हार्दिक शुभकामनाएँ दी

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने देश के सभी श्रमिकों को नई श्रम संहिताओं के देश भर में लागू किए जाने की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं । श्री अमित शाह ने '' पर एक पोस्ट में कहा कि देश के सभी श्रमिक जनों को नई श्रम संहिताओं के देश भर में लागू किए जाने की हार्दिक शुभकामनाएँ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बनीं ये संहिताएँ श्रम कानूनों के इतिहास का सबसे बड़ा रिफॉर्म है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि श्रमिकों को न्यूनतम वेतन, समाजिक सुरक्षा, महिला श्रमिकों को समान अवसर की गारंटी तथा गिग और असंगठित श्रमिकों को कानूनी पहचान देने वाली ये संहिताएँ श्रमिकों के जीवन स्तर में सुधार लाएँगी।

केन्द्रीय संचार राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने डाक विभाग (डीओपी) में राजस्व रिसाव की समीक्षा की अध्यक्षता की

मजबूत नियंत्रण और डिजिटल सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित करें: केन्द्रीय राज्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा 'प्रत्येक रुपये का हिसाब होना चाहिए': केन्द्रीय राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी

(जीएनएस)।

केन्द्रीय संचार एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने डाक विभाग (डीओपी) में राजस्व रिसाव को दूर करने के लिए एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने डाक नेटवर्क में राजस्व रिसाव को रोकने के लिए एक बहुआयामी, प्रौद्योगिकी द्वारा समर्थित, मजबूत और प्रोत्साहन-आधारित ढांचा अपनाने का आ'ान किया।

उन्होंने प्रतिदिन 10,000, 5,000 और 1,000 से अधिक लेन-देन करने वाले उच्च-मात्रा वाले डाकघरों का केन्द्रित क्षेत्रीय ऑडिट करने का सुझाव दिया और मैनुअल त्रुटियों एवं कम बिलिंग को समाप्त करने हेतु डाक आईटी प्रणालियों के साथ वजन

तौलने वाली मशीनों को एकीकृत करने का आदेश दिया।

सुरक्षा को मजबूत करने हेतु, केन्द्रीय राज्यमंत्री ने अनियमित लेनदेन पर नजर रखने और डिलीवरी श्रृंखला में मध्य-स्तर पर वस्तुओं एवं पार्सल के प्रवेश को रोकने के लिए प्रीपेड बुकिंग अलर्ट के साथ-साथ गतिशील बारकोडिंग शुरू करने का निर्देश दिया।

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि परिचालन संबंधी नियंत्रण को मजबूत करने, डिजिटल सुरक्षा प्रणालियों को आधुनिक बनाने और एक प्रेरित श्रमबल के निर्माण पर ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है ताकि प्रत्येक रुपये का हिसाब किया जाना सुनिश्चित हो सके।

केन्द्रीय राज्यमंत्री ने डाक बचत बैंक के डिजिटल एवं वित्तीय सुरक्षा ढांचे की भी समीक्षा की और अधिकारियों के लिए बायोमेट्रिक एवं ओटीपी-आधारित प्रमाणीकरण के माध्यम से सुरक्षा के मजबूत उपायों का आ'ान किया।

नागपुर में केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और नितिन गडकरी ने किया एग्रो विजन का उद्घाटन

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज नागपुर में एग्रो विजन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मंत्रियों व क्षेत्रीय विधायकों के साथ ही बड़ी संख्या में किसान, कृषि विशेषज्ञ, कुलपतिगण, शोध संस्थान प्रतिनिधि, उद्यमी भी शामिल हुए। यहां श्री शिवराज सिंह ने संतरा उत्पादकता बढ़ाने के लिए क्लीन प्लांट की जरूरत रेखांकित करते हुए नागपुर में 70 करोड़ रुपये से क्लीन प्लांट सेंटर प्रारंभ करने की घोषणा की।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल के हीरक जयंती समारोह को संबोधित किया

सीमा सुरक्षा बल के हीरक जयंती समारोह की स्मृति में डाक टिकट जारी किया गया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज गुजरात के भुज में सीमा सुरक्षा बल (इरत्र्) के हीरक जयंती समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर गुजरात के उप-मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी और सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक श्री दलजीत सिंह चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि पिछले छह वर्षों में सीमा सुरक्षा बल ने न केवल देश की जनता, बल्कि पूरे विश्व को यह मानने के लिए मजबूर किया है कि जब तक इरत्र् है, दुश्मन भारत की एक इंच भूमि पर नजर नहीं डाल सकता। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने वीरता, दक्षता के साथ और प्राणों की भी परवाह किए बगैर, अपने प्राणों की आहूति देकर फर्स्ट रेस्पोंडेंट होने की

जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया है, जो देश के गृह मंत्री के तौर पर मेरे लिए बहुत गौरव और अभिमान की बात है। श्री शाह ने कहा कि वह सीमा सुरक्षा बल के जवानों को बताना चाहते हैं कि न केवल प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री, बल्कि पूरा देश आपकी वीरता को सलाम करता है, आपकी दक्षता पर अटूट भरोसा करता है और देश की रक्षा करने के आपके अटूट संकल्प के कारण चैन की नींद सोता है, जो किसी भी बल के लिए गौरव का विषय है।

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि अब तक सीमा सुरक्षा बल के 2,013 बहादुर जवानों ने देश की सीमाओं को अखंड एवं सुरक्षित रखते हुए अपने प्राणों की सर्वोच्च आहुति दी है। उन्होंने कहा कि न केवल सीमा-रक्षा में, बल्कि संयुक्त राष्ट्र के अनेक शांति मिशनों में तथा देश के भीतर उत्पन्न कितनी ही आपात स्थितियों में, चाहे आतंकवाद का मुकाबला करना हो या चाहे नक्सलवाद के उन्मूलन के राष्ट्रीय लक्ष्य को साकार करना हो, बीएसएफ के जवानों ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

दुबई एयर शो में भीषण हादसा, भारतीय 'तेजस' विमान क्रैश

शुक्रवार को दुबई एयर शो में एक प्रदर्शन उड़ान के दौरान एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:10 बजे यह हादसा हुआ, जिसमें भारतीय एचएएल तेजस विमान शामिल था। दुर्घटना के तुरंत बाद हवाई अड्डे के ऊपर घना काला धुआं देखा गया, जिससे वहां मौजूद दर्शक, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे, भयभीत हो गए।

इस घटना ने एयर शो में मौजूद सभी लोगों को स्तब्ध कर दिया है और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

माननीय सांसदों ने वडोदरा मंडल द्वारा किये गये विकास कार्यों पर संतोष जताया

पश्चिम रेलवे द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत 21 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले माननीय सांसदों के साथ महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता की एक बैठक का आयोजन अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में किया गया। बैठक में माननीय सांसदों ने वडोदरा मंडल द्वारा किये गये विकास कार्यों एवं प्रदान की गयी यात्री सुविधाओं पर संतोष जाहिर किया एवं जनप्रतिनिधि के रूप में महाप्रबंधक एवं मंडल रेल प्रबंधक से अपने क्षेत्र के रेल संबंधी सुझावों साझा किये।

इस बैठक में माननीय सांसदों में श्री हसमुखभाई पटेल (अहमदाबाद पूर्व), श्री दिनेशभाई मकवाना (अहमदाबाद पश्चिम), श्रीमती शोभनाबेन बारैया (साबरकांठा), श्री मनसुखभाई वसावा (भरुच), श्री जशुभाई राठवा (छोटा उदयपुर), श्रीमती अनिता चौहान (रतलाम) तथा श्री मयंकभाई नायक (राज्यसभा) उपस्थित रहे। भरुच से माननीय सांसद श्री मनसुखभाई वसावा ने भरुच में अवंतिका एक्सप्रेस, सूर्यनगरी एक्सप्रेस एवं लोकशक्ति एक्सप्रेस के स्टॉपेज को पुनर्बहाल करने और वंदे भारत एक्सप्रेस के भरुच में स्टॉपेज की मांग की। उन्होंने यात्रियों की सुविधा के लिए अंकलेश्वर और राजपिपला के बीच ट्रेन सेवा शुरू करने की मांग की, जो ब्रॉड गेज में

परिवर्तित हो चुका है। छोटा उदयपुर से माननीय सांसद श्री जशुभाई राठवा ने नैरो गेज से ब्रॉड गेज में बदल चुके दभोई - मियागाम कर्जन खंड पर ट्रेन सेवा की मांग रखी। रतलाम से माननीया सांसद श्रीमती अनिता चौहान ने प्रतापनगर से छोटा उदेपुर ट्रेन को जोबट तक विस्तारित करने की मांग की। पश्चिम रेलवे प्रशासन द्वारा माननीय सांसदों के जनहित के इन सुझावों को पूरा करने का प्रयास किया जायेगा।

बैठक की शुरूआत में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता द्वारा बैठक में उपस्थित माननीय सांसदों का स्वागत किया गया। अपने स्वागत संबोधन में महाप्रबंधक श्री गुप्ता ने माननीय सांसदों को पश्चिम रेलवे की प्रगति से अवगत कराते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के भारतीय रेल बजट में गुजरात राज्य के लिए ₹17,155 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। यह निवेश गुजरात में कनेक्टिविटी, औद्योगिक प्रगति और यात्री सुविधाओं को नई गति और दिशा प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि गुजरात में रेल विकास की गति लगातार तेज होती जा रही है। हाल ही में आणंदडगोधरा दोहरीकरण परियोजना रिकॉर्ड समय में सफलतापूर्वक पूरी की गई है। इसी के साथ, भारतीय रेल पर विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक अवसर पर पश्चिम रेलवे के पूरे ब्रॉड गेज नेटवर्क का विद्युतीकरण भी पूर्ण हो गया है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वडोदरा झ रतलाम तृतीय एवं चतुर्थ लाइन परियोजना पश्चिम रेलवे की एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षमता-वृद्धि परियोजना है। 259 किमी की इस परियोजना के लिए ₹8,884.74 करोड़ की स्वीकृति मिली है, जो पश्चिम रेलवे के रेल नेटवर्क को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

वडोदरा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने बैठक में माननीय सांसदों को वडोदरा मंडल की प्रगति पर विभिन्न नवीन यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक उपलब्धियों से अवगत कराया। श्री भडके ने माननीय सांसदों को मंडल द्वारा दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान किए गए उत्कृष्ट क्राउड मैनेजमेंट प्रयासों, नॉन फेयर रिवेन्यू के` तहत वडोदरा मंडल द्वारा यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही यात्री सुविधाएं, कारपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत प्रोजेक्ट सारथी, दिव्यांगों के स्टेशन पर क्रचेज, भरुच स्टेशन पर हेरिटेज लॉबी का विकास जैसे प्रयासों, यात्रियों की सुविधा के लिए शुरू की गयी नई ट्रेन सेवाओं एवं ट्रेनों के अतिरिक्त स्टॉपेज की जानकारी दी।

श्री भडके ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा चुके उत्राण, डाकोर, डेरोल, कोसंबा करमसद के साथ साथ पुनर्विकसित किये जा रहे 10 अन्य स्टेशनों की प्रगति साझा की।

रेलवे प्रशासन की ओर से महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक वडोदरा श्री राजू भडके, पश्चिम रेलवे मुख्यालय से आए प्रमुख मुख्य रेल अधिकारी, फ्छ्ठ्ठ तथा दोनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं पालीताना के बीच चलाएगी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस और पालीताना स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट स्` पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्` पेशल ट्रेन का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09009/09010 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल (02 फेरे)

ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 23 नवंबर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:25 बजे पालीताना पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09010 पालीताना-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 24 नवंबर, 2025 को पालीताना से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09009 एवं 09010 की बुकिंग 22 नवंबर 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

जगुदन स्टेशन पर इंजीनियरिंग कार्य हेतु ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मण्डल के जगुदन स्टेशन यार्ड में 23.11.2025 (रविवार) को ब्रिज संख्या 983 के पुनर्निर्माण कार्य के संबंध में ब्लॉक लिया जा रहा है। जिसके कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेगी। जो निम्नानुसार हैः-

पूर्णतः रद्द ट्रेन

- दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 14821 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
- दिनांक 24.11.2025 की ट्रेन संख्या 14822 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

आंशिक रद्द ट्रेनें:

- दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 20959/20960 वलसाड-वडनगर-वलसाड एक्सप्रेस वडनगर और गांधीनगर कैपिटल के बीच आंशिक निरस्त रहेगी।

रिशेड्यूल ट्रेनें:

1. दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 20485 जोधपुर-साबरमती एक्सप्रेस जोधपुर से 2 घंटे रिशेड्यूल होगी।
2. दिनांक 23.11.2025 की ट्रेन संख्या 69207 गांधीनगर कैपिटलझ वरेठा मेमू गांधीनगर कैपिटल से 01 घंटा रिशेड्यूल होगी।

रेल यात्रियों से निवेदन है कि उपरोक्त बदलाव को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा प्रारम्भ करें। यात्री ट्रेनों के परिचालन संबंधित नवीनतम अपडेटस की जानकारी के लिए www. enquiry. indianrail. gov.in पर अवलोकन कर सकते है।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे की अहमदाबाद एवं वडोदरा क्षेत्राधिकार के माननीय सांसदों के साथ बैठक का आयोजन

पश्चिम रेलवे द्वारा जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत आज 21 नवम्बर 2025 को अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों के क्षेत्राधिकार में आने वाले माननीय सांसदों के साथ महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता की एक बैठक का आयोजन अहमदाबाद स्थित सर्किट हाउस में किया गया।

बैठक के प्रारम्भ में महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री विवेक कुमार गुप्ता ने माननीय सांसदों का हार्दिक स्वागत किया तथा उपस्थित जनप्रतिनिधियों को पश्चिम रेलवे में चल रही प्रमुख रेल परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद सहित पश्चिम रेलवे के अनेक महत्वपूर्ण स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है, तथा इन कार्यों की स्वयं माननीय रेल मंत्री जी द्वारा नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (हब्छ्ब्) का लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि सफाले से जेएनपीटी खंड का कार्य अडवांस स्टेज में पहुँच चुका है।

बैठक में अहमदाबाद एवं वडोदरा मंडलों में प्रगति पर विभिन्न नवीन यात्री सुविधाओं तथा विकासात्मक उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। इस दौरान मण्डल रेल प्रबंधक अहमदाबाद श्री वेद प्रकाश द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से अहमदाबाद मंडल पर दिवाली एवं छठ पूजा के दौरान किए गए उत्कृष्ट क्राउड मैनेजमेंट प्रयासों, मंडल में प्रगति पर विभिन्न रेल परियोजनाओं जैसे नई रेल लाइनों, नई ट्रेन सेवाओं, मेजर रिडेवलपमेंट स्टेशनों (भुज, अहमदाबाद, साबरमती) तथा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किए जा रहे अन्य 16 स्टेशनों की प्रगति की समीक्षा प्रस्तुत की गई।

- अहमदाबाद मण्डल रूट किमी में भारतीय रेलवे का सबसे बड़ा मण्डल है जिसमें लगभग 1480 रूट किमी रेल लाइन है। जो गुजरात के 10 जिले कवर करता है।

- अहमदाबाद मण्डल ने वर्ष 24-25 में तक भारतीय रेलवे में अधिकतम 13510 रैक के 855010 कंटेनर लोड किए गए।
- अहमदाबाद मण्डल वर्ष 25-26 में भारतीय रेल में लोडिंग में 8 वां एवं फ्रेट राजस्व में 7 वां स्थान रखता है।
- भारतीय रेल के फ्रेट टर्मिनल में अहमदाबाद डिवीजन में सबसे अधिक -78 फ्रेट टर्मिनल है।
- मण्डल का "दीनदयाल पोर्ट" कांडला भारत का दूसरा सबसे बड़ा पब्लिक सेक्टर पोर्ट है।
- भारत का सबसे बड़ा प्राइवेट पोर्ट 'मुंद्रा पोर्ट' है जो दुनिया का 39वां सबसे बड़ा पोर्ट है।
- अहमदाबाद से वर्ष में लगभग 7.8 करोड़ यात्री यात्रा करते है।
- मण्डल में 'ऊंझा' एशिया में सबसे बड़ा मसाला और जीरा बाजार है।

मंडल रेल प्रबंधक वडोदरा श्री राजू भडके द्वारा वडोदरा मण्डल पर चल रही विभिन्न रेल परियोजनाओं, यात्री सुविधाओं एवं वडोदरा मण्डल पर किए विभिन्न अभिनव प्रयासों से सांसदों को अवगत कराया।

इस बैठक में माननीय सांसद श्री हसमुखभाई पटेल (अहमदाबाद पूर्व), श्री दिनेशभाई मकवाना (अहमदाबाद पश्चिम), श्रीमती शोभनाबेन बारैया (साबरकांठा), श्री मनसुखभाई वसावा (भरूच), श्री जशुभाई राठवा (छोटा उदयपुर), श्रीमती अनिता चौहान (रतलाम) तथा राज्यसभा सांसद श्री मयंकभाई नायक उपस्थित रहे। रेलवे प्रशासन की ओर से पश्चिम रेलवे मुख्यालय के प्रमुख मुख्य रेल अधिकारी एवं दोनों मंडलों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

माननीय सांसदो ने अपने-अपने क्षेत्रों में रेलवे से संबंधित समस्याओं जैसे रेलवे ब्रिज बनाने, ट्रेनों का स्टोपेज प्रदान करने, नई ट्रेन शुरू करने, ट्रेनों का विस्तार करने आदि की मांग की गई जबकि रेलवे की खाली पड़ी जमीन पर वृक्षा रोपण करने, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने, नव निर्माण के समय वाटर लोगिंग का ध्यान रखने, साथ ही हिम्मत नगर से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू करने एवं वटवा स्टेशन से टेक्सी सेवा जैसे उबर, रैपिडो के शुरुआत जल्दी करने के भी सुझाव दिये गए तथा पश्चिम रेलवे में चल रहे विभिन्न विकास के मुद्दों एवं जनता के सुझावों पर भी चर्चा हुई।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे ने सभी माननीय सांसदो के सभी पूछे गए प्रश्नो का समुचित उत्तर दिया तथा उनकी समुचित मांगो एवं सुझावों पर यथा शीघ्र कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। यह पहल जनप्रतिनिधियों के साथ सहभागिता व सहयोग को बढ़ाकर रेल सुविधाओं के उन्नयन, यात्री सुविधाओं के विस्तार और क्षेत्रीय विकास को नई गति प्रदान करेगी।

56वें आईएफएफआई में भारतीय पैनोरमा नॉन-फीचर जूरी के लिए 500 प्रविष्टियों में से 20 फिल्मों को चुनना मुश्किल लेकिन मजेदार अनुभव रहा

भारतीय पैनोरमा नॉन-फीचर के जूरी चेयरपर्सन श्री धरम गुलाटी ने कहा- 'हमने कंटेंट पर फोकस किया, जो किसी भी दूसरी चीज से ज्यादा जरूरी है'

स्क्रीनिंग के लिए फिल्मों को चुनने की प्रक्रिया पर आईपी नॉन-फीचर जूरी मेंबर अशोक कश्यप ने कहा- 'हमने भारत को चुना है'

56वें आईएफएफआई नॉन-फीचर जूरी ने दिखाई जा रही फिल्मों की विविधता पर रोशनी डाली

56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में भारतीय पैनोरमा (आईपी) नॉन-फीचर जूरी के चेयरपर्सन श्री धरम गुलाटी ने कहा, '500 प्रविष्टियों में से 20 फिल्में चुनना सच में बहुत मुश्किल था।' उनकी बात पर सभी जूरी मेंबर्स ने भी सहमति व्यक्त की। चेयरपर्सन श्री धरम गुलाटी ने अपने साथी जूरी सदस्यों अंजलि पंजाबी, अशोक कश्यप, बॉबी सरमा बरुआ, रेखा गुप्ता, ए. कार्तिक राजा और ज्योत्सना गर्ग के साथ आज गोवा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने एकमत से यह भी कहा कि उन्हें सभी फिल्में देखने में मजा आया।

नॉन-फीचर्स जूरी के चेयरपर्सन ने कहा कि हमने जो भी फिल्में चुनीं, उन पर जूरी के सभी सदस्य एकमत थे। उन्होंने आगे कहा, "असल में, हम कंटेंट देख रहे थे, जो किसी भी दूसरी चीज से ज्यादा जरूरी है।" उन्होंने उन फिल्म मेकर्स से अपनी फिल्में मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ) और दूसरे महोत्सवों में भेजने का अनुरोध किया, जिनकी फिल्में आईपी नॉन-फीचर्स के लिए नहीं चुनी गईं।

उन्होंने कहा कि फिल्में चुनते समय, जूरी को यह भी लगा कि उन्हें अलग-अलग इलाकों और अलग-अलग भाषाओं की फिल्में चुननी चाहिए।

दूसरे जूरी मेंबर्स ने भी आईपी की नॉन-फीचर्स कैटेगरी में दिखाई जा रही 20 फिल्मों को चुनने के अपने अनुभव और उन्हें सबसे ज्यादा पसंद आए प्रोजेक्ट्स के बारे में अपनी राय दी।

धर्म गुलाटी ने 'बैटलफील्ड' का जिक्र किया जो मणिपुर में शूट की गई एक डॉक्यूमेंट्री है, जो इम्फाल की लड़ाई पर आधारित है, जो डब्ल्यूडब्ल्यू-क्क की सबसे खूनी लड़ाइयों में से एक थी, जिसने 1944 में मणिपुर को तबाह कर दिया था और वहां के लोगों पर गहरे निशान छोड़े थे।

जूरी मेंबर अंजलि पंजाबी ने कहा कि आईपी नॉन-फीचर्स सेक्शन शॉर्ट फिक्शन का एक शानदार खजाना है। उन्होंने कहा, 'इस साल हम भाग्यशाली थे कि हमें फिल्मों की एक शानदार वैरायटी मिली।' उन्होंने कहा कि शॉर्ट फिक्शन आपको फीचर और फंडिंग की रुकावटों से आजाद कर देता है। उन्होंने आगे कहा, 'हमारे पास पुराने फिल्म निर्माताओं के साथ-साथ भविष्य के स्टूडेंट फिल्म निर्माता भी थे जिन्होंने अपनी फिल्में प्रस्तुत की हैं। विषय संबंधी मामले भी बहुत अलग-अलग तरह के थे।' अंजलि पंजाबी ने कहा कि ओपनिंग नॉन-फीचर 'काकोरी' जैसी फिल्मों में नॉन-फिक्शन और फिक्शन का एक सुंदर मिश्रण है।

बॉबी सरमा बरुआ ने कहा कि जूरी ने सिक्किमी फिल्म 'शंगरीला' और असमी फिल्म 'पत्रलेखा' जैसी पूर्वोत्तर के कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स चुने हैं।

रेखा गुप्ता ने कहा कि 505 प्रविष्टियों में से 'काकोरी' अकेली ऐसी फिल्म है जो काकोरी घटना के सौ साल पूरे होने पर भारत के आजादी के संघर्ष और हमारे गुमनाम नायकों के इतिहास को दिखाती है। उन्होंने फिल्म 'आदि कैलाश' का जिक्र किया जो भारत से मानसरोवर जाने वाले रास्ते और मानसरोवर के रास्ते में पड़ने वाले आदि कैलाश पर आधारित है।

ज्योत्सना गर्ग ने सभी को पिपलांत्री देखने की सलाह दी, जो राजस्थान के राजसमुंद जिले के एक दूर की सोचने वाले सरपंच की कहानी है, जिसने कन्या भ्रूण हत्या, गिरते जल स्तर और जंगलों की कटाई जैसी सामाजिक समस्याओं से अनोखे तरीके से निपटा और उनका समाधान निकाला। उन्होंने 'नीलगिरी' की शानदार सिनेमैटोग्राफी की भी तारीफ की।

ए कार्तिक राजा को भरोसा है कि जूरी ने प्रविष्टियों में से 20 अच्छी फिल्में चुनी हैं।

अशोक कश्यप ने जूरी के काम के बारे में बताते हुए कहा, 'हमें कंटेंट, निर्माण, प्रस्तुतीकरण और भाषा को देखना था। फैसला लेना मुश्किल था। आईएफएफआई का संबंध भारतीय पैनोरमा भारत की संस्कृति को दिखाता है। इसलिए, हमने भारत को चुना है।'

आईएफएफआई के बारे में

1952 में शुरू हुआ, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) दक्षिण एशिया का सबसे पुराना और सबसे बड़ा सिनेमा महोत्सव है। राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार और एंटरटेनमेंट सोसाइटी ऑफ गोवा (ईएसजी), गोवा राज्य सरकार मिलकर इसकी मेजबानी करते हैं। यह महोत्सव एक वैश्विक सिनेमा पावरहाउस बन गया है-जहां रिस्टोर की गई क्लासिक फिल्में साहसिक प्रयोग से मिलती हैं और महान उस्ताद पहली बार आने वाले निडर लोगों के साथ जगह साझा करते हैं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा पुनर्निर्मित कम्युनिटी हॉल का भव्य उद्घाटन एवं कर्मचारियों को समर्पण

पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल के पुनर्निर्मित एवं आधुनिक सुविधाओं से युक्त कम्युनिटी हॉल का आज 21 नवम्बर 2025 (शुक्रवार) को मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा द्वारा भव्य उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने इस कम्युनिटी हॉल को आधिकारिक रूप से रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिजनों के उपयोग हेतु समर्पित किया। अपने संबोधन में श्री वर्मा ने कहा कि 'यह कम्युनिटी हॉल कर्मचारियों के लिए अत्यंत लाभप्रद रहेगा तथा सामाजिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक आयोजनों के लिए एक उत्कृष्ट केंद्र सिद्ध होगा।'

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया की कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन उपस्थित रहे एवं उन्होंने कम्युनिटी हॉल के पुनर्निर्माण को महत्व बताते हुए कर्मचारियों के हित में उठाए गए इस कदम की सराहना की। ट्रेड यूनियन एवं एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी संबोधन दिया और इस सुविधा को कर्मचारियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

कम्युनिटी हॉल की प्रमुख विशेषताएँ

हॉल में 10 नए एयर कंडीशनर (अउ) लगाए गए हैं। विवाह/पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए आधुनिक वरव्रधू कक्ष निर्मित किए गए हैं। बड़े आयोजनों हेतु सभा मंडप विकसित किया गया है। परिसर के बाहर सुंदर हरित उद्यान (गार्डन) विकसित किया जा रहा है। रीनोवेशन अवधि के बाद कम्युनिटी हॉल की बुकिंग पुनः प्रारंभ हो चुकी है।

सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त होने के बावजूद यह कम्युनिटी हॉल रेलवे कर्मचारियों के लिए ₹4000 प्रतिदिन की किफायती दर पर उपलब्ध रहेगा, जो निजी आयोजनों के लिए अत्यंत सुलभ है।

उद्घाटन समारोह में मंडल के कर्मचारी एवं अधिकारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह संपूर्ण कार्यक्रम वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

24 नवम्बर को पालीताना से बान्द्रा टर्मिनस के लिए चलेगी 'स्पेशल ट्रेन', टिकटों की बुकिंग 22 नवम्बर (शनिवार) से शुरू होगी

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं उनकी सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से पालीताना और बांद्रा टर्मिनस स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर स्` पेशल ट्रेन' चलाई जाएगी। इस ट्रेन का एसएलआरडी कोच अनारक्षित होगा, जिसके लिए टिकट यूटीएस काउंटर से मिलेगा तथा इस कोच में सुपरफास्ट मेल/एक्सप्रेस का किराया लगेगा। भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार इस ट्रेन का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09009/09010 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल

ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस-पालीताना सुपरफास्ट स्पेशल रविवार, 23 नवम्बर, 2025 को 19:25 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 09:25 बजे पालीताना पहुंचेगी।

इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09010 पालीताना-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल सोमवार, 24 नवम्बर, 2025 को पालीताना से 20:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड़, नवसारी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सिहोर (गुजरात) स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी और स्लीपर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09009/09010 की बुकिंग 22 नवम्बर, 2025 (शनिवार) से सभी पीआरएस काउंटरों और क्ष्ठब्ज्ब् की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वाणिज्य सचिव ने प्रमुख एसईजेड नीति और परिचालन चुनौतियों के समाधान के लिए उद्योग हितधारकों के साथ संवाद किया

(जीएनएस)।

निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा ईओयू और एसईजेड (ईपीसीईएस) के लिए आज चेन्नई में आयोजित एक उद्योग इंटरफेस में वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस ने 150 से अधिक हितधारकों के साथ बातचीत की। विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) इकाइयों और डेवलपर्स के प्रतिनिधियों ने विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) - घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) लेनदेन, छूटे हुए शुल्क, आइसगेट कनेक्टिविटी की बाधाओं, आयात निगरानी प्रणालियों और एमएसएमई के सामने आने वाली रिवर्स जॉब वर्क चुनौतियों से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला गया। आईटी और आईटीईएस हितधारकों ने खाली निर्मित क्षेत्र वर्गीकरण, अनुमोदन पत्रों (एलओए) के नवीनीकरण की समय सीमा और खरीद सत्यापन आवश्यकताओं से संबंधित नियमों पर चिंता व्यक्त की, जो जीएसटी मानदंडों से भिन्न हैं।

प्रतिभागियों ने डीटीए इकाइयों के लिए उपलब्ध रियायती आयात शुल्क और शुल्क वापसी योजनाओं के तहत एसईजेड इकाइयों के लिए समानता की कमी, नई खरीद प्रमाणपत्र प्रक्रिया द्वारा शुरू की गई परिचालन अक्षमताओं, अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिकारी शुल्कों और एसईजेड से डीटीए बिक्री के लिए क्यूसीओ प्रयोज्यता की समीक्षा की आवश्यकता, विशेष रूप से केएसईजेड जैसे मामलों की ओर ध्यान आकर्षित किया।

इन मुद्दों पर प्रतिक्रिया देते हुए, वाणिज्य सचिव ने उद्योग जगत के साथ प्रत्यक्ष जुड़ाव को संभव बनाने के लिए ईपीसीईएस को धन्यवाद दिया और आश्वासन दिया कि मंत्रालय व्यापार सुगमता को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रत्येक चुनौती की विस्तार से जाँच करेगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में बदलाव, डीटीए बाजार पहुँच की बढ़ती माँग और एफटीए के बदलते प्रभाव के कारण ऐसी विशेष आर्थिक क्षेत्र नीतियाँ आवश्यक हो गई हैं

प्रधानमंत्री का दक्षिण अफ्रीका के दौरे से पहले प्रस्थान वक्तव्य

(जीएनएस)।

मैं दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में जोहान्सबर्ग में आयोजित हो रहे 20वें जी-20 लीडर्स समिट में भाग लेने के लिए राष्ट्रपति श्री सिरिल रामफोसा के निमंत्रण पर 21 से 23 नवंबर, 2025 तक दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर जा रहा हूं।

यह शिखर सम्मेलन विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा क्योंकि यह अफ्रीका में आयोजित होने वाला पहला जी-20 शिखर सम्मेलन होगा। 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता के दौरान अफ्रीकी संघ जी-20 का सदस्य बना था।

यह शिखर सम्मेलन प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा का एक अवसर होगा। इस वर्ष के जी-20 का विषय 'एकजुटता, समानता और स्थिरता' है, जिसके माध्यम से दक्षिण अफ्रीका ने नई दिल्ली, भारत और रियो डी जेनेरियो, ब्राजील में आयोजित पिछले शिखर सम्मेलनों के परिणामों को आगे बढ़ाया है। मैं इस शिखर सम्मेलन में 'वसुधैव कुटुम्बकम' और 'एक पृथ्वी, एक परिवार और एक भविष्य' के हमारे दृष्टिकोण के अनुरूप अपने देश का दृष्टिकोण प्रस्तुत करूंगा।

मैं भागीदार देशों के नेताओं से मुलाकात और शिखर सम्मेलन के दौरान आयोजित होने वाले छठे आईबीएसए शिखर सम्मेलन में भागीदारी की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहा हूं।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

नीतीश सरकार बड़ी उम्मीदें

नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को दसवीं बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर यह सिद्ध कर दिया कि वे बिहार की जनता में लोकप्रिय तो हैं ही उनके विरोधी भी उन्हें ईमानदार और जनसमस्याओं की अच्छी समझ रखने वाले संवेदनशील व्यक्ति मानते हैं। उनकी स्वीकायंर्ता इसलिए है क्योंकि वह सौम्य और मध्यम मागा नेता हैं। खांटी सोशलिस्ट होने के कारण समझौतावादी तो हैं ही साझावादी भी हैं।

दरअसल नीतीश वुमार सोशलिस्ट सिद्धांत के प्राति समर्पण भाव से ही रहते हैं किन्तु उनकी सैद्धांतिक प्रातिबद्धता के कारण आम जनता को किसी तरह की असुविधा नहीं होती। बिहार दशकों तक विपन्नता, भ्रष्टाचार और बेईमानी का प्रातीक माना जाता रहा है। नीतीश ने बड़ी ही शालीनता से शासन का पूरा ध्यान जनता की समस्याओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, यातायात को बेहतर बनाने, जनता को जाम की समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए लगाया।

राजनीति में विकल्प का बहुत महत्व होता है। जनता कभी भी दोबारा धोखा नहीं खाना चाहती। 2024 के संसदीय चुनाव में विपक्ष की पार्टियों ने सुनियोजित तरीके से केन्द्र सरकार और एनडीए पर आरोप लगाया कि वे संविधान की मूल भावना सामाजिक कल्याण के प्रावधान को खत्म करके आरक्षण व्यवस्था ही समाप्त करना चाहते हैं, राज्य की भोली भाली जनता समझ नहीं पाई और संविधान बचाने के लिए भाजपा नीत एनडीए के घटक दलों को वोट नहीं दिया परिणाम यह हुआ कि ज्यादातर एनडीए उम्मीदवार चुनाव हार गए और इंडिया गठबंधन के प्रात्याशी मुकाबले में मैदान मार ले गए। लेकिन एक साल बाद ही संविधान को लेकर विपक्षी शिगूफा हवा हवाई हो गया। जब तक राजनीतिक दल जनता को मूर्ख बनाने में सफल होते रहते हैं, तो उन्हें लगता है कि जनता की मूर्खता उसका स्थाई भाव है। ऐसे में वह न तो अपनी कायंर्शैली बदलता और न ही मूर्ख बनाने की आदत को छोड़ता है। जनता में लालू प्रासाद और उसके छोटे सहयोगी कांग्रोस को यह समझने में काफी समय लगा किन्तु उन्हें इस बात का एहसास हो गया कि उनके पास नीतीश का कोई विकल्प है ही नहीं तो जनता ने अपना नेता चुनकर बता दिया कि 'जब नीतीश हैं तो कोई और क्यों!' जनता में भ्रम पैलाने वाले विपक्ष ने नीतीश के मुकाबले में तेजस्वी को आगे करके न सिर्प अपनी नासमझी को उजागर किया बल्कि उसने यह भी साबित कर दिया कि जनता नीतीश के बारे में क्या सोचती है? बहरहाल शपथ ग्राहण के बाद अब बिहार की 13 करोड़ से ज्यादा जनता की सेवा करना नीतीश के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। राज्य में विकसित हो रही सड़कों, रेल लाइनों, हवाई अड्डों और नदियों पर पुलों के निर्माण में राज्य को वेंद्र की मोदी सरकार से भरपूर सहायता मिल रही है किन्तु सरकार के सामने दो सबसे बड़ी चुनौतियां मुंह बाए खड़ी है। पहली यह कि राज्य में औद्योगिकीकरण और रोजगार पैदा करना तथा दूसरा राज्य में संगठित अपराधियों के गिरोहों को नेस्तनाबूद करना। यह बात तो राज्य की जनता भी जानती है कि लालू राज के दौरान प्राइवेट सेक्टर के भारी उद्योग बिहार से विदा हो चुके हैं। अब तो उन्हें इस बात का फिर भरोसा दिलाना पड़ेगा कि राज्य सरकार उनकी सुरक्षा एवं संसाधनों को उपलब्ध कराएगी। बिहार के औद्योगिकीकरण में वेंद्र भी बड़ी भूमिका निभा सकता है। ऐसा करने के लिए वेंद्र सरकार को अपनी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को स्थापित करना होगा तथा जितने भी इच्छुक उद्योगपति हैं उन्हें बिहार में निवेश करने की सलाह दी जानी चाहिए। साथ ही साथ जैसे लखपति दीदी की शुरूआत की गई है ठीक वैसे ही पढ़े लिखे युवकों को अपना स्टार्टअप शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का सिस्टम विकसित किया जाना चाहिए। वुल मिलाकर यह बात शत प्रातिशत सही है कि जैसे-जैसे जनता का विश्वास नीतीश पर बढ़ता गया, वैसे-वैसे मंत्रिपरिषद पर भी कर्तव्यबोध का भार बढ़ता ही जाएगा। इसलिए जीत के जश्न से मुक्ति मिलते ही नीतीश सरकार को जनसेवा की अपनी प्रातिबद्धता में फिर जुट जाना होगा।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में आयुष मंडप एक प्रमुख आकर्षण

आयुष मंडप ने आईआईटीएफ 2025 में परिवारों को मुफ्त परामर्श, मुफ्त दवाओं और बच्चों के लिए आकर्षक गतिविधियों के साथ आकर्षित किया

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान ने स्वस्थ स्नैक्स और प्रीमिक्स के साथ आयुर्वेद-आधारित पोषण का प्रदर्शन किया

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने आईआईटीएफ 2025 में सात्विक आहार और आयुर्वेदिक कल्याण के उत्पादों पर जोर दिया

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ ने आयुर्वेद पोषण, मिलेट क्विज और स्वस्थ खाद्य नवाचारों के साथ वैश्विक आगंतुकों को आकर्षित किया

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने वाई-ब्रेक, योग डेमो और इंटरैक्टिव क्विज के साथ आईआईटीएफ के आगंतुकों को आकर्षित किया

यूनानी सेव शन ने पारंपरिक खाद्य पदार्थों, डिजिटल मिजाज मूल्यांकन और मुफ्त परामर्श के साथ भीड़ को आकर्षित किया

सिद्ध सिस्टम ने हिबिस्कस चाय और पंचमुट्टी कांजी जैसे निवारक स्वास्थ्य और पौष्टिक खाद्य पदार्थों का दशार्या

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड ने हर्बल जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए अटल आयुष महोत्सव के तहत औषधीय पौधे वितरित किए

आयुष स्टार्ट-अप ने आईआईटीएफ 2025 में उद्यमिता को बढ़ावा देते हुए अभिनव कल्याण उत्पादों का प्रदर्शन किया

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय"आयुष के साथ - स्वस्थ भारत, श्रेष्ठ भारत" थीम के अंतर्गत भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) 2025 में भारत की पारंपरिक स्वास्थ्य सेवा विरासत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। आयुष मंडप में विषयगत स्टॉल इस मेले में सबसे अधिक देखे जाने वाले आकर्षणों में से एक बनकर उभरे हैं, जो आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी में निहित समग्र स्वास्थ्य समाधानों को जानने के लिए उत्सुक हजारों आगंतुकों को आकर्षित कर रहे हैं।

प्रत्येक स्टॉल आयुष स्वास्थ्य प्रणालियों के एक विशिष्ट पहलू पर प्रकाश डालता है, जिसमें डिजिटल निदान और आहार प्रदर्शन से लेकर इंटरैक्टिव गेम्स और विशेषज्ञ परामर्श तक शामिल हैं। यह मंडप सहभागी गतिविधियों, लाइव डेमो और शैक्षिक सत्रों के माध्यम से सभी आयु वर्ग के आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

मंडप का मुख्य आकर्षण अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) का स्टॉल है, जो कार्यात्मक खाद्य उत्पादों और उनके चिकित्सीय लाभों की विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से आयुर्वेद-आधारित आहार पद्धतियों पर प्रकाश डाल रहा है। संस्थान रागी नाचोस, सुंथ्यादि लड्डू, रागी-उड़द लड्डू, मुडगा सूप प्रीमिक्स और यवदी सत्तू जैसे व्यंजन प्रदर्शित कर रहा है, जो सभी शास्त्रीय आयुर्वेदिक सिद्धांतों के अनुसार तैयार किए गए हैं। स्टॉल पर विशेषज्ञ बता रहे हैं कि ये व्यंजन खासकर एनीमिया प्रबंधन, प्रतिरक्षण प्रणाली में सुधार और पाचन स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कैसे बेहतर पोषण में सहायक होते हैं। आगंतुकों को शैक्षिक पुस्तिकाएं भी दी जा रही हैं जिनमें व्यंजनों, बनाने की विधियों और शरीर की प्राकृतिक प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में पारंपरिक अनाजों, जड़ी-बूटियों और मसालों की भूमिका के बारे में जानकारी शामिल है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए), जयपुर ने 'आयुष आहार' थीम के अनुरूप एक व्यापक प्रदर्शनी आयोजित की है। संस्थान त्रिफला जैम, कायाकल्प करने वाले दाने और रागी बिस्कुट सहित सात्विक आहार उत्पादों की एक श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है, साथ ही प्रामाणिक आयुर्वेदिक सामग्रियों से बने एलोवेरा जेल, लिप बाम और फुट क्रीम जैसे व्यक्तिगत देखभाल उत्पाद भी प्रस्तुत कर रहा है। संकाय सदस्य आगंतुकों के साथ संवाद कर रहे हैं और बता रहे हैं कि सात्विक भोजन के सिद्धांत मानसिक स्पष्टता, संतुलित ऊर्जा स्तर और दीर्घकालिक स्वास्थ्य में कैसे योगदान करते हैं। स्टॉल पर सूचनाप्रद ब्रोशर भी उपलब्ध हैं जो आगंतुकों को यह समझने में मदद करते हैं कि आयुर्वेद पर आधारित आहार के मामूली बदलाव को दैनिक जीवन में कैसे शामिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ (आरएवी) आयुष आहार थीम के अंतर्गत आयुर्वेद-आधारित पोषण संबंधी उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदर्शित

कर रहा है। इसके स्टॉल पर पौष्टिक कुकीज (तिल, अजवाइन और जीरा), एनी ब्रेड, जीतायु चाय, एनप्पी ड्रिंक और फुल मून चॉकलेट जैसी चीजें मौजूद हैं, जो दैनिक आहार में आयुर्वेदिक सिद्धांतों के समावेश पर प्रकाश डालती हैं। आगंतुकों को आकर्षित करने के लिए, आरएवी आयुर्वेद में बाजरे के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक मिलेट क्विज भी आयोजित कर रहा है। इस स्टॉल ने छात्रों, परिवारों और अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी को आकर्षित किया है, जिन्होंने आयुर्वेदिक ज्ञान पर आधारित स्वस्थ, स्थायी भोजन की आदतों को बढ़ावा देने के आरएवी के प्रयासों की सराहना की है।

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) योग-आधारित प्रदर्शनों और शैक्षिक गतिविधियों की एक श्रृंखला के माध्यम से इस मंडप में योगदान दे रहा है। संस्थान सामान्य योग प्रोटोकॉल, लयबद्ध योग प्रदर्शनों, इंटरैक्टिव योग क्विज और लघु "वाई-ब्रेक" अभ्यासों पर निर्देशित सत्र प्रस्तुत कर रहा है, जो विशेष रूप से उन कामकाजी व्यक्तियों के लिए डिजाइन किए गए हैं और अपने दैनिक कार्यों के दौरान त्वरित विश्राम तकनीकों की तलाश में हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से, एमडीएनआईवाई का उद्देश्य आगंतुकों को यह अनुभव कराना है कि कैसे सरल योग अभ्यासों को आधुनिक जीवनशैली में सहजता से शामिल किया जा सकता है ताकि तनाव कम हो, एकाग्रता और लचीलापन बढ़े।

यूनानी चिकित्सा का प्रतिनिधित्व केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) और राष्ट्रीय यूनानी चिकित्सा संस्थान के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। उनके स्टॉल पर पारंपरिक यूनानी खाद्य पदार्थ जैसे हरेरा, यूनानी कहवा, हलवा घीकवार, गुलकंद और तलबीना-आधारित जौ उत्पाद प्रदर्शित हैं। साथ ही, यूनानी आहार विज्ञान के ढांचे में उनके चिकित्सीय महत्व की व्याख्या भी की गई है। स्टॉल का एक प्रमुख आकर्षण एक डिजिटल मिजाज-मूल्यांकन कियोस्क है जो आगंतुकों को यूनानी निदान सिद्धांतों के आधार पर उनके व्यक्तिगत स्वभाव प्रकार, जैसे दमवी, बल्गामी, सफरावी या सौदवी को समझने में मदद करता है। सीसीआरयूएम और एनआईयूएम के चिकित्सक निःशुल्क परामर्श प्रदान कर रहे हैं और दवाइयां वितरित कर रहे हैं, जिससे आगंतुकों को यह समझने में मदद मिल रही है कि कैसे व्यक्तिगत यूनानी आहार निवारक स्वास्थ्य में सहायक हो सकते हैं।

सिद्ध प्रणाली का प्रदर्शन राष्ट्रीय सिद्ध संस्थान (एनआईएस), चेन्नई और केंद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सीसीआरएस) द्वारा संयुक्त रूप से निवारक स्वास्थ्य, पोषण और जन जागरूकता पर केंद्रित किया जा रहा है। "आयुष आहार" थीम के अंतर्गत, सीसीआरएस सिद्ध-प्रेरित खाद्य पदार्थों जैसे हिबिस्कस इन्फ्यूजन टी, पंचमुट्टी कांजी, करिसलाई मिट्टई और हलीम नाचोस का प्रदर्शन कर रहा है, जिन्होंने आगंतुकों की लगातार अपनी ओर आकर्षित किया है। इनमें विशेषकर हिबिस्कस चाय ने लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया है। एनआईएस टीम आईईसी सामग्री, 100 से अधिक लाभार्थियों के लिए निःशुल्क चिकित्सा परामर्श और आईआईटीएफ आयुष स्टॉल पर जागरूकता सत्रों के माध्यम से आगंतुकों के साथ जुड़ रही है। संस्थान अपने स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा कर रहा है, जिससे सिद्ध शिक्षा और अनुसंधान में व्यापक भागीदारी को बढ़ावा मिल रहा है।

केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (सीसीआरएच) ने एक व्यापक स्टॉल लगाया है जिसमें अनुसंधान प्रकाशन, पोस्टर, डिजिटल सामग्री और होम्योपैथी में नैदानिक अध्ययनों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की गई है। मंडप के भीतर एक होम्योपैथिक ओपीडी भी चल रही है जहां चिकित्सक निःशुल्क परामर्श प्रदान कर रहे हैं और आवश्यक दवाएं वितरित कर रहे हैं। प्रदर्शनी में होम्योपैथी के मूल सिद्धांतों, व्यक्तिगत उपचार की भूमिका और अनुसंधान एवं नैदानिक सत्यापन के लिए सीसीआरएच द्वारा अपनाई गई वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में भी बताया गया है।

इस मंडप में आयुष प्रणालियों के विभिन्न संस्थान भाग ले रहे हैं। राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान आगंतुकों को हिमालयी क्षेत्र की प्राचीन चिकित्सा परंपराओं की जानकारी प्रदान कर रहा है। इस स्टॉल पर सोवा-रिग्पा आहार, चिकित्सीय आहार और हर्बल नुस्खों के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। संस्थान प्रतिदिन लगभग चालीस निःशुल्क परामर्श प्रदान कर रहा है, जिसमें चिकित्सक शास्त्रीय सोवा-रिग्पा ग्रंथों पर आधारित व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। इस संवाद ने आगंतुकों को एक ऐसी चिकित्सा प्रणाली को समझने का अनूठा अवसर प्रदान किया है जो आहार, व्यवहार और हर्बल उपचारों के माध्यम से प्रकृति के साथ सामंजस्य पर जोर देती है।

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) औषधीय पौधों की एक जीवंत प्रदर्शनी प्रस्तुत कर रहा है, जिसके बाद उनकी पहचान, खेती और चिकित्सीय इस्तेमाल पर विस्तृत जानकारी दी जा रही है। आगंतुकों को जड़ी-बूटियों के घरेलू उपयोगों पर आधारित शैक्षिक सामग्री वितरित की जा रही है। मौजूदा "अटल आयुष महोत्सव" के अंतर्गत, एनएमपीबी भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में औषधीय पौधे भी वितरित कर रहा है, जिससे घर पर औषधीय पौधों की खेती करने में रुचि रखने वाले बड़ी संख्या में आगंतुक आकर्षित हो रहे हैं।

आयुष मंत्रालय के अंतर्गत भारत सरकार का एक उद्यम, इंडियन मेडिसिन्स फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईएमपीसीएल), इस मंडप में अपनी प्रामाणिक आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियों की श्रृंखला प्रस्तुत कर रहा है। यह मोहन (उत्तराखंड) में अपनी डब्ल्यूएचओ-जीएमपी और आईएसओ-प्रमाणित विनिर्माण सुविधा के साथ, आईएमपीसीएल केंद्र और राज्य सरकार के स्वास्थ्य सेवा संस्थानों को आपूर्ति किए जाने वाले उच्च-गुणवत्ता वाले पारंपरिक फॉर्मूलेशन को प्रदर्शित कर रहा है। यह स्टॉल संगठन की विश्वसनीय उत्पाद श्रृंखला और वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 170 करोड़ रुपए के वार्षिक कारोबार द्वारा समर्थित, मानकीकृत, गुणवत्ता की गारंटी वाली आयुष औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका को प्रदर्शित करने के लिए रुचि आकर्षित कर रहा है।

भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी के लिए फामाकोपिया आयोग (पीसीआईएमएंडएच) एएसयूएंडएच फामाकोपिया, फार्मूलरी और सूखी एकल औषधियों सहित प्रमुख प्रकाशनों का प्रदर्शन कर रहा है। साथ ही, ब्रोशर और दृश्य-श्रव्य सामग्री भी प्रदर्शित कर रहा है जो इसके अधिदेश की व्याख्या करती है। फामाकोपिया मानकों के लिए सर्वोच्च निकाय और बीआईएस-प्रमाणित एकीकृत प्रबंधन प्रणालियों वाली एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला के रूप में, पीसीआईएमएंडएच इस मंडप का उपयोग आयुर्वेद, सिद्ध, यूनानी और होम्योपैथी दवाओं के गुणवत्ता मानकों, सुरक्षा और वैज्ञानिक मान्यता के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए कर रहा है।

केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन) की ओर से प्राकृतिक चिकित्सा-आधारित पोषण और स्वास्थ्य पर केंद्रित कई गतिविधियां प्रस्तुत की जा रही हैं। इस स्टॉल पर आयुष आहार के भौतिक और डिजिटल, दोनों स्वरूपों में प्रदर्शनियां हैं, जिनमें वृत्तचित्र और दृश्य-श्रव्य सामग्री भी शामिल है। सीसीआरवाईएन आगंतुकों को प्राकृतिक चिकित्सा और योगाभ्यासों से परिचित कराने के लिए सूचना और संचार सामग्री (आईईसी) भी वितरित कर रहा है। आगंतुक पारंपरिक प्राकृतिक चिकित्सा से प्रेरित नाश्ते जैसे तिल के लड्डू, मूंगफली-तिल के लड्डू, मखाना लड्डू और बाजरा नमकीन का स्वाद ले रहे हैं, जो शास्त्रीय प्राकृतिक चिकित्सा ग्रंथों में सुझाए गए सरल और पौष्टिक आहार के विकल्पों को दर्शाते हैं।

इस मंडप में कई आयुर्वेद-आधारित स्टार्ट-अप भी शामिल हैं, जो त्वचा और बालों की देखभाल के लिए विभिन्न प्रकार के उत्पाद प्रदर्शित कर रहे हैं। इनमें त्वचा की देखभाल और बालों की देखभाल के लिए फॉर्मूले, डिटॉक्स ड्रिंक्स, आयुर्वेदिक खाद्य पदार्थ और अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पाद शामिल हैं। उनकी भागीदारी आयुष मंत्रालय के युवा उद्यमों को बढ़ावा देने और नवाचार को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को दर्शाती है, जिससे इन स्टार्ट-अप उद्योगों को आगंतुकों के साथ जुड़ने और पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान के समकालीन इस्तेमाल से परिचित कराने के लिए एक राष्ट्रीय मंच मिलता है।

आयुष मंडप के आकर्षण को आगे बढ़ाते हुए, इसमें बच्चों, युवाओं और परिवारों को आकर्षित करने के लिए एक आकर्षक एक्टिविटी जोन भी है। इस जोन में छह से बारह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य-आधारित सांप-सीढ़ी के खेल, प्रकृति परीक्षण और मिजाज परीक्षण, नारा लेखन और पोस्टर बनाने के सत्र, पहिया घुमाने वाले खेल, मिलेट क्विज और एक समर्पित फोटो बूथ शामिल हैं। ये गतिविधियां सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करती हैं और आगंतुकों को मनोरंजक और संवादात्मक तरीके से स्वास्थ्य संबंधी अवधारणाओं को समझने में मदद करती हैं।

आईआईटीएफ 2025 का आयुष मंडप अपनी विविध प्रदर्शनियों और आगंतुकों की सक्रिय भागीदारी के साथ लगातार लोगों को आकर्षित कर रहा है। यह मंडप भारत की समग्र स्वास्थ्य सेवा की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है। यह भी दर्शाता है कि कैसे पारंपरिक आयुष ज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोणों के साथ एकीकृत किया जा रहा है। आगंतुकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और आयुष औषधियां भी प्रदान की जा रही हैं। इससे आयुष मंत्रालय के निवारक, किफायती और समुदाय-उन्मुख स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित दृष्टिकोण की पुष्टि होती है।

एनबीए ने लाल चंदन की लकड़ी की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आंध्र प्रदेश को 39.84 करोड़ रुपये जारी किए

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण (एनबीए) ने देश के जैव विविधता संरक्षण प्रयासों को सुदृढ़ करने के लिए बहुमूल्य लाल चंदन की लकड़ी की सुरक्षा और संरक्षण के लिए आंध्र प्रदेश वन विभाग को 38.36 करोड़ रुपये और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को 1.48 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके साथ, देश की एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) डिस्बर्समेंट ने 110 करोड़ रुपये का प्रभावशाली आंकड़ा पार कर लिया है, जो जैव विविधता से जुड़ी देश की सबसे बड़ी एबीएस रिलीज में से एक है।

लाल चंदन अपनी गहरी लाल लकड़ी के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यह प्राकृतिक रूप से, देश के केवल पूर्वी घाट के खास क्षेत्रो में, विशेषकर आंध्र प्रदेश के अनंतपुर, चित्तूर, कडप्पा, प्रकाशम और कुरनूल जिलों में उगता है। आंध्र प्रदेश वन विभाग ने नीलाम या जब्त की गई लाल चंदन की लकड़ी से लाभ-साझाकरण राशि के रूप में 87.68 करोड़ रुपये अर्जित किए।

अब तक, एनबीए ने लाल चंदन की लकड़ी के संरक्षण, सुरक्षा और अनुसंधान के लिए आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा के वन विभागों और आंध्र प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड को 49 करोड़ रुपये से अधिक जारी किए हैं। इसके अलावा, आंध्र प्रदेश में 198 किसानों को 3 करोड़ रुपये और तमिलनाडु में 18 किसानों को 55 लाख रुपये वितरित किए गए हैं।

आंध्र प्रदेश वन विभाग को अभी जारी 38.36 करोड़ की राशि से अग्रिम पंक्ति के वन कर्मचारियों को और सशक्त बनाया जाएगा, सुरक्षा उपाय बढ़ाए जाएंगे, लाल चंदन वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन को प्रोत्साहित किया जाएगा, जैव विविधता प्रबंधन समितियों के माध्यम से आजीविका के अवसर उत्पन्न किए जाएंगे और इस बहुमूल्य लकड़ी के व्यावसायिक भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम को चिह्नित करते हुए दीर्घकालिक निगरानी कार्यक्रम को मजबूत किया जाएगा।

इसके अलावा, एनबीए ने आंध्र प्रदेश जैव विविधता बोर्ड द्वारा 2 करोड़ रुपये की लागत से लाल चंदन के एक लाख पौधे उगाने की एक बड़ी पहल को भी मंजूरी दी है। एक प्रारंभिक राशि पहले जारी की गई थी और शेष 1.48 करोड़ रुपये अब आंध्र प्रदेश जैव विविधता बोर्ड को हस्तांतरित कर दिए गए हैं। इन पौधों को बाद में किसानों को दिया जाएगा, जिससे ट्रीज आउटसाइड फॉरेस्ट (टीओएफ) कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा और इस दुर्लभ प्रजाति को इसके प्राकृतिक आवास से बाहर संरक्षित करने में मदद मिलेगी।

इस ऐतिहासिक पहल से पता चलता है कि वैश्विक जैव विविधता सिद्धांतों को लागू करने में नेतृत्व को उजागर करके कैसे एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग (एबीएस) देश की उपलब्धियों में सीधे मदद कर सकता है। इससे लाल चंदन के संरक्षण से जुड़े लाभ स्थानीय समुदायों, किसानों और जैव विविधता संरक्षकों को मिलना सुनिश्चित होता है। एनबीए आने वाली पीढ़ियों के लिए देश की समृद्ध जैविक विरासत की रक्षा के लिए राज्य जैव विविधता बोर्डों, वन विभागों, जैव विविधता प्रबंधन समितियों और स्थानीय हितधारकों के साथ काम करना जारी रखेगा।

जब सिनेमा हरित सोचता है: चार देशों ने कला, संस्कृति और जलवायु पर विचार साझा किए

फिल्मकारों ने चर्चा की कि पर्यावरण अनुकूल तरीकों से कहानियों, सेट और रचनात्मक फैसलों पर क्या असर पड़ता है

पैनल चर्चा में संस्कृति, जिम्मेदारी और भविष्य में जिम्मेदार फिल्म निर्माण पर गहराई से बात हुई

56वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में "रील ग्रीनः चार सिनेमाओं में स्थिरता और कहानी कहने का माध्यम" विषय पर पैनल चर्चा में भारत, जापान, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया के फिल्म निर्माता एक साथ आए और स्थायी सिनेमा पर वैश्विक दृष्टिकोणों का एक दुर्लभ संगम देखा गया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित पत्रकार और फिल्म समीक्षक नमन रामचंद्रन की ओर से संचालित इस सत्र में इस बात पर चर्चा की गई कि पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी न केवल निर्माण प्रक्रियाओं को, बल्कि स्वयं कथाओं को भी आकार दे सकती है, और शिल्प, संस्कृति और विवेक को जोड़ती है।

भारतीय फिल्म निर्माता और निर्देशक नीला माधव पांडा ने सिनेमा के पर्यावरणीय प्रभाव पर खुलकर विचार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने दर्शकों को याद दिलाया कि फिल्म निर्माण का कार्बन

प्रभाव बहुत बड़ा है और छोटी फिल्मों में अक्सर पर्यावरण-अनुकूल उपायों को अपनाने की सुविधा होती है। उन्होंने कहा, "सिनेमा एक जन माध्यम है। हमारे पास केवल एक ही ग्रह है। हमारे आधे ऊर्जा संसाधन पहले ही खपत हो चुके हैं।" उन्होंने उद्योग जगत से जहां भी संभव हो, स्थायी उपाय अपनाने का आग्रह किया।

नीला माधब पांडा की बात के विपरीत, जापान की फिल्म निर्माता मीना मोटेकी ने कम बजट वाली फिल्मों में पर्यावरण-अनुकूल तरीकों को लागू करने की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जहां बड़े पैमाने की परियोजनाएं नवाचार की गुंजाइश देती हैं, वहीं छोटी परियोजनाएं अक्सर ऊर्जा उपयोग, सेट प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स के मामले में संघर्ष करती हैं। उन्होंने जापानी फिल्म निर्माण संस्कृति में धीरे-धीरे आ रहे बदलाव की ओर इशारा करते हुए कहा, "हम जहां तक संभव हो, ऊर्जा बचाने की कोशिश कर रहे हैं।"

स्पेनिश फिल्म निमार्ता अन्ना सौरा ने भी इन चिंताओं को दोहराते हुए कहा कि स्थिरता एक रचनात्मक ज़िम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वितरण से लेकर सेट प्रबंधन तक, सचेत विकल्प, कहानी कहने की गुणवत्ता से समझौता किए बिना पर्यावरणीय प्रभाव को कम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "हमारा हर कदम मायने रखता है, और छोटे-छोटे, सोच-समझकर किए गए कदम भी एक हरित भविष्य में योगदान देते हैं।"

ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निमार्ता गार्थ डेविस ने बातचीत में एक कथात्मक आयाम जोड़ते हुए बताया कि कैसे कहानियां स्वयं पर्यावरण जागरूकता को प्रभावित कर सकती हैं।

उन्होंने कहा, "फिल्में लोगों को प्रकृति से जोड़ती हैं। युवा पीढ़ी बदलाव चाहती है, और कहानी कहने में व्यवहार और मूल्यों को आकार देने की शक्ति होती है।"

राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन सभा सफलतापूर्वक संपन्न

सभा से तैयारी और विकसित भारत के लिए सहयोगात्मक कार्रवाई को बल मिला

विचार-विमर्श में राज्य सरकारों की मजबूत भागीदारी के साथ चिकित्सा प्रतिवाद, क्षमता निर्माण और सामुदायिक सहभागिता पर प्रकाश डाला गया

प्रदर्शनी और आइडिया वन नेशनल हैकथॉन ने देश की बढ़ती वन हेल्थ क्षमताओं और युवा-संचालित नवाचार को प्रदर्शित किया

डॉ. वी.के. पॉल ने वन हेल्थ को आगे बढ़ाने में सामुदायिक सहभागिता और संपूर्ण सरकारी कार्रवाई की केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला

संपूर्ण समाज का जुड़ाव, मजबूत साझेदारियां और जमीनी स्तर की तैयारी देश के वन हेल्थ भविष्य को आकार देगी: डॉ. वी.के. पॉल

(जीएनएस)।

दो-दिवसीय राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य मिशन सभा-2025 आज भारत मंडपम में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। दूसरे दिन तकनीकी पर विचार-विमर्श हुआ जिसने एक एकीकृत और सुदृढ़ स्वास्थ्य इकोसिस्टम के निर्माण के सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास को और मजबूत किया। सभा में प्रमुख मंत्रालयों, वैज्ञानिक निकायों, विकास

भागीदारों और कार्यान्वयन एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। सभा में मानव, पशु और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के क्षेत्र में समन्वित कार्रवाई के महत्व पर जोर दिया।

पहले दिन की अच्छी शुरूआत के बाद, जिसमें सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व ने संयुक्त नेतृत्व और समुचित सरकारी सहयोग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, आज के सत्रों ने गहन वैज्ञानिक, परिचालनात्मक और कार्यक्रम-संबंधी चर्चाओं के माध्यम से उस गति को बनाए रखा। इन संवादों ने साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाया और बेहतर तैयारियों, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमताओं, और सभी क्षेत्रों में दीर्घकालिक वन हेल्थ एकीकरण की नींव रखी।

वरिष्ठ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने दिन की कार्यवाही का नेतृत्व किया। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ.वी.के.पॉल ने निरंतर सहयोग, प्रणालीगत तैयारी और मजबूत राष्ट्रीय क्षमताओं का आ'ान करते हुए शुरूआत की। उनके साथ स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल और जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश एस. गोखले भी शामिल हुए, जिन्होंने नवाचार, बदलाव विज्ञान और एकीकृत निगरानी के महत्व पर प्रकाश डाला। खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के श्री स्कॉट न्यूमैन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव श्रीमती वंदना जैन ने अपने योगदान से बहुक्षेत्रीय जुड़ाव और वैश्विक सहयोग के महत्व पर जोर दिया। डीआरडीओ, आईसीएआर, टीएचएसटीआई, सीईपीआई, फाइंड, आयुष और अंतर्राष्ट्रीय वैक्सीन संस्थान के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया और विविध वैज्ञानिक और कार्यान्वयन दृष्टिकोणों से चर्चा में अपने विचार प्रस्तुत किए।

नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद कुमार पॉल ने कहा कि वन हेल्थ के क्षेत्र में भारत की प्रगति एक मजबूत, समग्र सरकारी दृष्टिकोण पर निर्भर करती है जो एक स्वस्थ और अधिक सुदृढ़ भविष्य की ओर अग्रसर है। इस प्रयास में सामुदायिक भागीदारी केंद्रीय भूमिका निभाती है।

अर्थ समिट 2025-26 के हैदराबाद संस्करण में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री ने किसानों की खुशहाली के लिए सरकार की गहरी प्रतिबद्धता दोहराई

(जीएनएस)।

तेलंगाना के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू ने अर्थ समिट 2025-26 के हैदराबाद संस्करण के उद्घाटन सत्र में 'टुवड्र्स एन इन्क्लूसिव इकोनॉमिक फ्यूचरः एम्पावरिंग रूरल इंडिया थ्रू रिफॉर्म एंड इनोवेशन' विषय पर बोलते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा सिंचाई, डिजिटल फसल रिकॉर्ड और फसल कटाई के बाद की व्यवस्था में किए जा रहे निवेश से ग्रामीण परिवारों का भरोसा फिर से वापस लाने में मदद मिल रही है। उन्होंने कहा, 'ये कदम दशार्ते हैं कि हमारी सरकार किसानों के साथ सिर्फ मुश्किल के समय ही नहीं, बल्कि उनकी रोजमर्रा की प्रगति और खुशहाली की यात्रा में भी उनके साथ मजबूती से खड़ी है।'

ग्रामीण विकास को लेकर सरकार की सोच पर बात करते हुए उन्होंने आगे कहाः 'तेलंगाना में हमारे सभी प्रयास डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, एग्रीटेक, फिनटेक, नवीकरणीय ऊर्जा और इनक्यूबेशन नेटवर्क समग्र दृष्टिकोण का हिस्सा हैं। ग्रामीण विकास धीरे-धीरे नहीं, बल्कि तेजी से और बड़े स्तर पर होना चाहिए।'

तेलंगाना सरकार के एग्रीकल्चर, मार्केटिंग, को-ऑपरेशन और हैंडलूम्स एवं टेक्सटाइल्स विभाग के माननीय मंत्री श्री तुम्मला नागेश्वर राव ने भी सरकार के मजबूत समर्थन को दोहराते हुए कहाः 'खेती हमारी अर्थव्यवस्था की नींव है। भारत की प्रगति के लिए हमें नवाचार, तकनीक और सामूहिक प्रयास के माध्यम से किसानों को मजबूत करना होगा। प्रत्येक किसान को लाभ पहुंचाने वाली एक सशक्त सहकारी और मार्केटिंग व्यवस्था विकसित करने के लिए राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग देने के लिए तैयार है ।'

सहकारी व्यवस्था को फिर से मजबूत बनाने की जरूरत और नई पीढ़ी की खेती की जरूरतों पर बात करते हुए, नाबार्ड के चेयरमैन श्री शाजी केवी ने कहा, 'ग्रामीण वित्त 2.0 की संरचना नाबार्ड द्वारा तैयार की जा रही है और आगे बढ़ाई जा रही है।' उन्होंने बताया कि यह व्यवस्था डिजिटल रियल-टाइम किसान क्रेडिट कार्ड से जुड़ी होगी और कर्ज देने की प्रक्रिया कागजी फाइलों के बजाय डेटा के आधार पर की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, 'हम भारत सरकार और तेलंगाना सरकार समेत राज्य सरकारों के साथ मिलकर सहकारी व्यवस्था को डिजिटल बनाने पर काम कर रहे हैं।'

ग्रामीण अर्थव्यवस्था की क्षमता के बारे में बात करते हुए, श्री शाजी केवी ने कहा, 'आज ग्रामीण भारत को विकास का असली इंजन बनना होगा। लेकिन इसके लिए हमें दो चीजें सही करने की जरूरत हैझ्र विकास से जुड़ी चुनौतियाँ, जिन्हें सिर्फ छोटे-छोटे बदलाव से हल नहीं किया जा सकता, और अवसर, जिन्हें पुराने तरीकों या पारंपरिक सोच से नहीं पाया जा सकता।' उन्होंने कहा कि ग्रामीण भारत में तेजी से विकास लाने के लिए नए सिस्टम, नए संस्थान, नई डिजिटल संरचनाएँ, नई साझेदारी और सबसे महत्वपूर्ण, नई सोच की जरूरत है।

छोटे पर्दे पर होगा एआई कंट्रोल का जोरदार धमाका!

लखनऊ मोस्ट पॉपुलर शो 'हप्पू की उलटन पलटन' और 'भाबीजी घर पर हैं' में दर्शकों को कॉमेडी, उथल-पुथल और पागलपन की डबल खुराक मिलने वाली है, क्योंकि इस बार टेक्नोलॉजी, जलन और अचानक आए ट्विस्ट से आपके चहेते घरों में हंगामा मचने वाला है। एण्डटीवी पर 'हप्पू की उलटन पलटन' रात 10 बजे और 'भाबीजी घर पर हैं' रात साढ़े दस बजे सोमवार से शुक्रवार प्रसारित है।

एण्डटीवी के चर्चित शो 'हप्पू की उलटन पलटन' के बारे में, गीतांजलि मिश्रा उर्फ राजेश ने बताया, ''हप्पू (योगेश त्रिपाठी) बिल्कुल थक गया है। नौकरी, परिवार और रोज के कामों से वो बेहद परेशान है और घरवाले भी उससे खुश नहीं हैं- बच्चे, अम्मा (हिमानी शिवपुरी) और मैं भी! तभी उसके वैज्ञानिक चाचा का फोन आता है। सालों पहले हप्पू ने उनकी लैब बचाई थी। अब उसका शुक्रिया करने के लिए वो उसके लिए टी20 नाम का रोबोट बनाते हैं। हप्पू खुशी से उछल पड़ता है। वह सोचता है कि अब सब काम बिना थके हो जाएंगे। उधर, बेनी (विश्वनाथ चटर्जी) चाचा से बिमलेश का रोबोट वर्जन बनाने को कहने

लगता है। लेकिन उनसे गलती हो जाती है। बिमलेश की फोटो पानवाले की गर्लफ्रेंड की फोटो से बदल जाती है। इससे बड़ा तमाशा हो जाता है! फिर रात को टी20 हमारे कमरे में घुस आता है। वो नाचने-गाने लगता है, जैसा हप्पू कभी नहीं करता। मैं तो खुश हो जाती हूं, लेकिन हप्पू डर जाता है। जब वो चाचा को झिड़कता है, तो टी20 उदास होकर बागी हो जाता है!''

इसी तरह 'भाबीजी घर पर हैं' के बारे में, रोहिताश्व गौड़ उर्फ मनमोहन तिवारी ने बताया, ''मॉडर्न कॉलोनी के कैरम टूनार्मेंट में मैं विभूति जी (आसिफ शेख) को हरा देता हूं। अचानक सारी महिलायें- अनीता (विदिशा श्रीवास्तव) सहित, मेरे शानदार शॉट्स और 'जादुई हाथों' की तारीफ करने लगती हैं। इससे विभू का घमंड चूर हो जाता है। इधर, सक्सेना (सानंद वर्मा) एक एआई चिप बना रहा है, जो इंसान के शरीर के हिस्सों को कंट्रोल कर सकती है। विभू को इसका पता चल जाता है। वो चुपके से सक्सेना को मनाता है कि मेरे हाथों में चिप लगा दें। रात भर में मैं रिमोट से चलने वाली कठपुतली की तरह हिलने लगता हूं और मुझे कुछ समझ नहीं आता! असली परेशानी तब होती है जब टीएमटी टिल्लू (सलीम जैदी) के लिए शादी का एक रिश्ता लाता है। वह मुझसे कहता है, लड़की के घरवालों के सामने अच्छे से बर्ताव करो। लेकिन विभू मेरे हाथ कंट्रोल करता है, तो मैं अजीब-अजीब हरकतें करने लगता हूं जिससे सभी परेशान हो जाते हैं। जल्द ही अनीता और बाकी लोगों को कुछ गड़बड़ होने का शक होता है।''

आरसीएम की रूपांतरण यात्रा में नवोद्यमियों की सहभागिता; लखनऊ में मिला जबरदस्त जनसमर्थन

लखनऊ, 21 नवम्बरः आरसीएम की राष्ट्रव्यापी रूपांतरण यात्रा के शुभारंभ के बाद से अब तक लाखों नवोद्यमी इससे जुड़ चुके हैं, जो कंपनी की जन-आधारित विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यात्रा का नवीनतम पड़ाव लखनऊ रहा, जहां हजारों नागरिकों ने स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की।

लखनऊ और इससे पहले आयोजित कई शहरों में लाखों लोगों की भागीदारी को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि 75 शहरों की इस यात्रा के 23 दिसंबर 2025 को समापन तक इसकी पहुँच लगभग एक मिलियन लोगों तक हो सकती है।

लखनऊ कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने रक्तदान किया और स्वस्थ जीवनशैली व आत्मनिर्भरता के बारे में जानकारी प्राप्त की। लोगों का सामूहिक उत्साह इस बात का प्रमाण था कि वे केवल उपस्थित होने के लिए नहीं, बल्कि निःस्वार्थ योगदान देने के लिए आगे आए-यह दशार्ता है कि यात्रा किस प्रकार लोगों को स्वास्थ्य (रद्द२३ँ८), सेवा (रीद्द) और संस्कार (रंल्लर२ँ१) के तीन मूल स्तंभों पर कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही है।

उत्तर प्रदेश आरसीएम की विकास यात्रा में एक विशेष स्थान रखता है। राज्य ने हमेशा आरसीएम की पहलों के प्रति मजबूत जुड़ाव दिखाया है, जो यहां के लोगों के विश्वास और सामाजिक प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

16 सितंबर 2025 को रूपांतरण यात्रा की शुरूआत के बाद से अब तक 20,000 से अधिक लोग आरसीएम परिवार से जुड़ चुके हैं, जिससे कंपनी के दो मिलियन से अधिक सक्रिय एसोसिएट बायर्स के नेटवर्क को और मजबूती मिली है। जैसे-जैसे यात्रा अन्य शहरों की ओर अग्रसर है, यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी के नेटवर्क का यह विस्तार न केवल सस्ते और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों पर लोगों के बढ़ते विश्वास को दशार्ता है, बल्कि महिलाओं, युवाओं और नवोद्यमियों को स्थायी स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में आरसीएम के प्रयासों को भी प्रतिबिंबित करता है।

विशेष रक्तदान शिविर में लोगों की भारी भागीदारी रही, जिससे अब तक यात्रा के दौरान 2,000 से अधिक दाताओं का आंकड़ा पार हो चुका है।

कार्यक्रम में नागरिकों को स्वस्थ और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने वाली जन-जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

लखनऊ के लोगों ने इस यात्रा का भव्य स्वागत किया। हजारों लोग सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल ग्राउंड, कानपुरझहरदोई लिंक रोड, शकुन्तला मिश्रा विश्वविद्यालय के पास, सरोसा, लखनऊ में आयोजित इस आयोजन में शामिल हुए।

इस यात्रा का प्रभाव प्रतिभागियों की साझा कहानियों में झलकता है। एक प्रतिभागी ने, जिन्होंने दो दशकों के बाद रक्तदान किया, इसे अत्यंत संतोषजनक अनुभव बताया। एक अन्य प्रतिभागी ने बताया कि चावल की भूसी के तेल के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी उनके लिए एक नई सीख थी।

कार्यक्रम दो भागों में संपन्न हुआ- सुबह स्वास्थ्य और सेवा से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जबकि शाम को उत्सव और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया।

लोगों को आरसीएम के विविध अनुभव से परिचित कराने के लिए रूपांतरण मेला भी आयोजित किया गया। आगंतुकों ने इंटरएक्टिव बूथ्स के माध्यम से आरसीएम के व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो का अनुभव किया, जिसमें न्यूट्रीचार्ज और गामा उत्पादों के साथ एक हेल्थ जोन और महिलाओं के परिधान व फुटवियर के लिए कीसोल पवेलियन शामिल थे। वहीं फूड कोर्ट में स्वीच्छा और गुड डॉट जैसे आरसीएम ब्रांड्स के पौष्टिक व स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए।

हाल ही में लॉन्च हुई पुस्तक 'मनसा वाचा कर्मणा - एक कर्मयोगी की जीवनी', जो आरसीएम के संस्थापक तिलोकचंद छाबड़ा के जीवन पर आधारित है, कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण रही। यह पुस्तक उनके कर्मयोगी जीवन, मूल्यों और उनके विचारों एवं कार्यों से लाखों लोगों के जीवन में आए परिवर्तन को उजागर करती है।

आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर सौरभ छाबड़ा ने कहा, 'लखनऊ से मिला जबरदस्त प्रतिसाद हमारे जन-आधारित आंदोलन की शक्ति और भावना को दशार्ता है। हम हर घर को बेहतर स्वास्थ्य, मजबूत मूल्यों और नए आर्थिक अवसरों से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि हम एक स्वस्थ और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ सकें।'

मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियंका अग्रवाल ने कहा, 'लखनऊ में रूपांतरण यात्रा का आयोजन हमारी 17,000 किलोमीटर लंबी परिवर्तन यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम हर महिला को गरिमा, शक्ति और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे पुरुषों के साथ मिलकर नए भारत के निर्माण में समान रूप से योगदान दे सकें।'

सीईओ मनोज कुमार ने कहा, 'मुझे गर्व है कि रूपांतरण यात्रा ने लखनऊ में जो उत्साह और प्रेरणा जगाई है, वह पूरे भारत में लाखों लोगों को सशक्त बनाती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी।'

जैसे-जैसे रूपांतरण यात्रा अपने अगले पड़ाव की ओर बढ़ रही है, लखनऊ और उत्तर प्रदेश में इसकी छोड़ी गई ऊर्जा और प्रेरणा नए विकास और सामुदायिक कल्याण को आगे बढ़ाती रहेगी। आरसीएम इस सकारात्मक गति को बनाए रखते हुए लखनऊ में अपनी जन-केंद्रित पहलों को जारी रखेगा।

आरसीएम कंज्यूमर प्रोडक्ट्स प्रा. लि. के बारे मेंः साल 2000 में एक टेक्सटाइल उत्पाद से शुरूआत करने वाला आरसीएम आज ₹2,400 करोड़ का उद्यम बन चुका है। वर्तमान में कंपनी 400 से अधिक उत्पादों की पेशकश करती है और इसके दो मिलियन से अधिक सक्रिय एसोसिएट बायर्स का नेटवर्क है। कंपनी का वितरण नेटवर्क 10,000 से अधिक रिटेल स्टोर्स और 170 डिपो तक फैला हुआ है।

आरसीएम के तीन अत्याधुनिक निर्माण संयंत्र भीलवाड़ा, गुवाहाटी और रुड़की में स्थित हैं। इन संयंत्रों के साथ एक समर्पित अनुसंधान एवं विकास (फ्&ऊ) विंग कार्यरत है, जो सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक उत्पाद स्वास्थ्य और सुरक्षा के उच्चतम मानकों पर खरा उतरे।

कंपनी के लोकप्रिय ब्रांड्स में हेल्थ गार्ड, कीसोल, व्योमिनी, स्वीच्छा, नैसा, शिनोल, कैविगो, ईना, पियर-इट, ऑथेंजा, ओवीरा पेंट्स, पिक्सी, त्रिकारा, रेविटो, न्यूट्रीचार्ज, गुड डॉट, हरित संजीवनी, गामा ओरीजेनॉल, पीट्रॉन आदि शामिल हैं। ये ब्रांड्स खाद्य एवं किराना, हेल्थकेयर, पर्सनल केयर, होम केयर, फैशन, कॉस्मेटिक्स, लांजरी, हाइजीन, फुटवियर, पेंट्स, पोषण सप्लीमेंट्स और कृषि उत्पादों जैसी विभिन्न श्रेणियों में उपलब्ध हैं।

आरसीएम अपनी 'आरसीएम सेवा' पहल के माध्यम से समाज के प्रति सक्रिय योगदान देता है। इस पहल के तहत मूल्य-आधारित शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, जल एवं ऊर्जा संरक्षण, नशामुक्ति जागरूकता, रक्तदान शिविर आदि जैसी अनेक सामाजिक गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

चार दिन तक असोथर कस्बे की बिजली कटौती आठ घंटे

-नलकूप लाइन बिछाने का कार्य तेज, सूचना जारी

(जीएनएस)।

असोथर। क्षेत्रवासियों को आगामी दिनों में बिजली कटौती से जूझना पड़ेगा। जल आपूर्ति को मजबूत करने के उद्देश्य से नलकूप लाइन का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके कारण 22 नवंबर 2025 से 25 नवंबर 2025 तक प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से दोपहर 4:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी विद्युत विभाग के आवर अभियंता राजकुमार गुप्ता ने दी।

उन्होंने बताया कि नलकूप लाइन का निर्माण ग्रामीण एवं कस्बा क्षेत्रों में पेयजल और सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक है। विभाग की तकनीकी टीम लगातार कार्य में जुटी है ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर लाइन बिछाने का कार्य पूरा हो सके। अधिकारियों के अनुसार नई लाइन से जल पंपिंग व्यवस्था में गति आएगी और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा मिलेगी। उन्होंने बताया कि कार्य के दौरान कुछ स्थानों पर केबल शिफ्टिंग और खंभों के पुनर्स्थापन की आवश्यकता पड़ सकती है, जिसके कारण बिजली कटौती अनिवार्य है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित कटौती अवधि में अपने घरेलू और व्यावसायिक कार्य पहले से निपटा लें, साथ ही संवेदनशील विद्युत उपकरणों को सुरक्षित रखें। बिजली विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी आपात स्थिति या शिकायत के लिए उपभोक्ता स्थानीय शिकायत केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। विभाग का दावा है कि कार्य पूरा होने के बाद क्षेत्र में बिजली और जल आपूर्ति दोनों में सुधार देखने को मिलेगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि कटौती से असुविधा जरूर होगी, लेकिन कार्य पूरा होने के बाद पानी की समस्या में राहत मिलने की उम्मीद है। विभाग ने आश्वासन दिया है कि निर्धारित तिथि तक सभी कार्य पूरे कर लिए जाएंगे और उपभोक्ताओं को अतिरिक्त परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

धान का नहीं मिल रहा समर्थन मूल्य, किसान माटी के भाव बेचने को मजबूर

खुले बाजार में गिरे धान के दाम; किसान बोले लागत भी नहीं निकल रही फूल चंद्र वर्मा

असोथर। क्षेत्र में इस बार धान की पैदावार अच्छी रही, लेकिन किसानों के चेहरों पर मुस्कान नहीं, बल्कि मायूसी है। कारण है—खुले बाजार में लगातार गिरते भाव। किसान मजबूरी में धान माटी के मोल बेच रहे हैं, जबकि समर्थन मूल्य (MSP) न मिलने से उनकी लागत तक नहीं निकल पा रही है। धान के दाम औंधे मुंह गिरे। स्थानीय किसानों के अनुसार मंडी में इस समय धान के भाव इस प्रकार हैं। शरबती धान ₹1850 प्रति कुंतल, अरेस्टन ₹1500 प्रति कुंतल, 64-44, ₹1400 प्रति कुंतल, मंसूरी, ₹1800 प्रति कुंतल रहा है। किसानों का कहना है कि यह भाव सरकार द्वारा घोषित समर्थन मूल्य की तुलना में काफी कम हैं। कई किसानों का कहना है कि बीज, खाद, डीजल, मजदूरी इन दामों पर नहीं निकल

रहा। धान की सरकारी खरीद न होने से स्थानीय मंडियों में अफरा-तफरी का माहौल है। किसान बताते हैं कि मंसूरी धान के अलावा सरकारी खरीद न होने से किसानों की मजबूरी का फायदा उठाकर बहुत कम दाम पर व्यापारी खरीद रहे हैं।

बौडर के किसान प्रमोद यादव ने बताया कि 1500 में धान बेचकर तो पिछले सीजन के कर्ज का ब्याज भी नहीं निकल रहा। हर साल भरोसा रहता है कि एमएसपी पर खरीद होगी, लेकिन इस बार इंतजार बेकार गया। जमलामऊ के के राजू तिवारी ने बताया कि 64-44, 1400 व्यापारी खखरीद रहे इसमें से खेत की लेवर, खाद, पानी कुछ भी नहीं निकल पा रहा। मजबूर होकर बेच रहे हैं, खाद बीज जोताई कैसे करेंगे। जिला उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा फतेहपुर प्रिंस गौतम ने एमएसपी पर खरीद शुरू करने की सरकार से मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्या का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो किसान आंदोलन के लिए मजबूर होंगा।

मां की डांट से क्षुब्ध किशोरी ने लगाई फांसी, मौत, पुलिस जांच में जुटी

(जीएनएस)।

खखरेरू। थाना क्षेत्र के उमरा गांव में एक किशोरी ने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस कई बिंदुओं पर जांच-पड़ताल कर रही है।

गांव निवासी अमृतलाल की पुत्री काजल (14) गुरुवार की शाम करीब 6 बजे अपने कमरे गई। उक्त वक्त परिवार के लोग मौजूद नहीं थे। घर पहुंचने पर परिजन उसे कमरे में फांसी पर लटकते पाया। इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। मृतका एक इंटर कॉलेज में कक्षा 9वीं की छात्रा रही। पढ़ाई में वह होनहार बताई जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक मृतका का किसी बात को लेकर डांटने का मामले बताया गया है। थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि फांसी लगाने की सूचना उन्हें प्राप्त होते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची है, मामले की जांच की जा रही है, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

फैब इंडिया के नए कलेक्शन के साथ शादियों के सीजन का उत्सव शानदार अंदाज में मनाएं

लखनऊ। भारत में शादियां सिर्फ.एक समारोह नहीं हर दिल में बसने वाला एक उत्सव है इसी उत्सव को और रंगीन, और यादगार बनाने के लिए फैबइंडिया लेकर आया है अपना शानदार वेडिंग कलेक्शन 2025 जो भारतीय कारीगरी, परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम है। यह कलेक्शन शादी के हर पल को खास बनाने के लिए तैयार किया गया है। इसमें रेशमी बनावटों के साथ चमकते रंग, बारीक कढ़ाई, पारंपरिक हैंडब्लॉक प्रिंट्स और आधुनिक सिल्हूट्स शामिल है जो हर अवसर पर आपको एक शाही और स्टाइलिश लुक देते है`

यह कलेक्शन पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के हर तरह के उत्सव के लिए शानदार रेंज पेश करता है, चाहे उत्तर भारत की रौनक भरी संगीत हो, दक्षिण भारत की परंपरागत शादी, या रिसेप्शन फैबइंडिया का यह कलेक्शन हर उत्सव में चार चाँद लगाता है। साथ ही, आपके लुक को पूरा करने के लिए खूबसूरत ज्वेलरी, फुटवियर और बैग भी उपलब्ध हैं।

इसी के साथ, जो लोग अपने प्रियजनों के लिए कुछ खास तोहफा ढूंढ रहे हैं, उनके लिए फैबइंडिया का फैबहोम कलेक्शन एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें हैंडक्राफ्टेड होम डेकोर, सर्विंग डिशेज और फेस्टिव एक्सेसरीज शामिल है ।

बा स्मेहि सुबहानहु अजा-ए-फातिमिया के उन्वान से लखनऊ के छोटे इमामबाड़े में खमसा ए मजालिस का आयोजन।

लखनऊ शहर-ए-अजा लखनऊ में शहजादी-ए-कौनैन हजरत जहरा (स.) की शहादत के सिलसिले में हुसैनाबाद छोटे इमामबाड़े में पाँच रोजा मजालिस-ए-अजा का एहतमाम किया गया। पहली मजलिस को हुज्जतुल इस्लाम वाल मुस्लेमीन मौलाना गुलाम मेहदी गुलरेज साहिब कि ब्ला ने संबोधित किया।

अपने बयान में उन्होंने इस्लाम के शुरूआती दौर से पहले के हालात की ओर ध्यान दिलाते हुए कहा कि उस जमाने में औरत को शर्म और अपमान का कारण समझा जाता था। लेकिन यह इस्लाम का एहसान है कि उस दौर-ए-जाहिलियत में पैगम्बर-ए-इस्लाम (स. व आल) ने इंसानियत के अधिकार बताए और औरत को इज्जत और सम्मान प्रदान किया।

उन्होंने कहा कि इस सम्मान का असली स्रोत अगर कोई हस्ती है तो वह शहजादी-ए-कौनैन हजरत फातिमा जहरा (स.) हैं। वही हस्ती जिसके लिए अल्लाह ने अपने नबी (स.) को मेराज पर बुलाया। और जब शहजादी-ए-कौनैन (स.) इस दुनिया में तशरीफ लाईं, तो उन्होंने ऐसी पवित्र ज़िंदगी गुजारी कि पैगम्बर (स.) ने फरमायाः 'मेरी बेटी मेरा हिस्सा है; जिसने उसे तकलीफ दी, उसने मुझे तकलीफ पहुँचाई।

पैगम्बर (स.) की मोहब्बत का यह आलम था कि जब हजरत जहरा (स.) आतीं तो आप सम्मान में खड़े हो जाते और उन्हें अपनी जगह बैठाते। यह उनकी महानता और रुतबे की बुलंदी है कि पैगम्बर-ए-इस्लाम (स.) उन्हें इतनी इज्जत देते थे। इसी कारण आज भी अगर औरत की इज्जत और तकरीम कायम है तो वह इस्लाम और शहजादी-ए-कौनैन (स.) की बरकत से है।

अजा-ए-फातेमिया (स.) के इस सिलसिले का कार्यक्रम पाँच दिनों तक जारी रहेगा। पहली मजलिस मौलाना गुलाम मेहदी गुलरेज साहिब कि ब्ला ने पढ़ी। दूसरी और तीसरी मजलिस 22 और 23 नवंबर को हुज्जातुल इस्लाम वाल मुस्लेमीन मौलाना सैय्यद अजादार हुसैन साहिब कि ब्ला (दिल्ली) पढ़ेंगे।

चौथी मजलिस 24 नवंबर को हुज्जातुल इस्लाम वल मुस्लेमीन मौलाना सैय्यद कलबे जवाद नकवी साहिब कि ब्ला (लखनऊ) पढ़ेंगे।

और पाँचवीं तथा अंतिम मजलिस 24 नवंबर की रात 8 बजे हुज्जतुल इस्लाम वल मुस्लेमीन मौलाना सैय्यद मोहम्मद मियाँ आबदी साहब (लखनऊ) पढ़ेंगे। सभी धर्मों और समुदायों के लोगों से बिना किसी भेदभाव के इस कार्यक्रम में शिरकत की गुजारिश है।